एईआरबी ने पद्म विभूषण स्वर्गीय डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन को श्रद्धांजलि अर्पित की
(5 जनवरी 1930 – 20 मई 2025)
AERB pays Tributes to Padma Vibhushan Late Dr. M. R. Srinivasan
(5th January 1930 – 20th May 2025)

एईआरबी परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव, पद्म विभूषण से सम्मानित स्वर्गीय डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।
AERB pays its heartfelt tributes to Padma Vibhushan, Late Dr. M. R. Srinivasan, former Chairman of the Atomic Energy Commission and Secretary, Department of Atomic Energy.

डॉ. श्रीनिवासन सितंबर 1955 में परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) में शामिल हुए और उन्होंने भारत के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर, अप्सरा के निर्माण पर डॉ. होमी भाभा के साथ काम करते हुए अपने प्रतिष्ठित करियर की शुरुआत की, जो अगस्त 1956 में क्रिटिकलता हासिल की।
Dr. Srinivasan joined the Department of Atomic Energy (DAE) in September 1955 and began his distinguished career working alongside Dr. Homi Bhabha on the construction of India's first nuclear research reactor, Apsara, which achieved criticality in August 1956.

डॉ. श्रीनिवासन ने राष्ट्रीय महत्व के कई प्रमुख पदों पर कार्य किया। 1974 में वे पऊवि के पावर प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग डिवीजन के निदेशक बने और 1984 में नाभिकीय ऊर्जा बोर्ड के अध्यक्ष बने। इन भूमिकाओं में उन्होंने देश भर में सभी नाभिकीय ऊर्जा परियोजनाओं की योजना, क्रियान्वयन और संचालन की देखरेख की।
Dr. Srinivasan held several key positions of national importance. In 1974, he became Director of the Power Projects Engineering Division, DAE, and in 1984, Chairman of the Nuclear Power Board. In these roles, he oversaw the planning, execution, and operation of all nuclear power projects across the country.

1987 में उन्हें परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग का सचिव नियुक्त किया गया। उसी वर्ष वे भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के संस्थापक-अध्यक्ष बने। भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में उनके उत्कृष्ट योगदान के सम्मान में डॉ. श्रीनिवासन को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।
In 1987, he was appointed Chairman of the Atomic Energy Commission and Secretary of the Department of Atomic Energy. That same year, he became the Founder-

Chairman of the Nuclear Power Corporation of India Limited (NPCIL). In recognition of his outstanding contributions to India's nuclear energy program, Dr. Srinivasan was awarded the Padma Vibhushan, one of the nation's highest civilian honours.

डॉ. एम. आर. श्रीनिवासन अपने पीछे दूरदर्शी नेतृत्व, तकनीकी उत्कृष्टता और राष्ट्र के प्रति अटूट सेवा की विरासत छोड़ गए हैं। भारत के परमाणु ऊर्जा परिदृश्य में उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियाँ याद रखेंगी।

Dr. M. R. Srinivasan leaves behind a legacy of visionary leadership, technical excellence, and unwavering service to the nation. His contributions to India's nuclear energy landscape will be remembered for generations to come.